

नवीन गृह प्रवेश वास्तु हवन पूजन सामग्री

- 1) शर्ी फल =1
- 2) सुपारी = 11
- 3)लौंग = 10 ग्राम
- 4)इलायची = 10 ग्राम
- 5) पान के पत्ते = 7
- 6) रोली =1 पैकेट
- 7) मोली = 1गोली
- 8) जनेऊ = 7
- 9) कच्चा दूध = 100 ग्राम
- 10) दही = 100 ग्राम
- 11) देशी घी = 1 किलो ग्राम
- 12) शहद = 250 ग्राम
- 13) शक्कर = 250 ग्राम
- 14) साबुत चावल. = 1 किलो 250 ग्राम
- 15) पंच मेवा = 250 ग्राम
- 16) पंच मिठाई = 500 ग्राम
- 17) ऋतु फल = श्रद्धा अनुसार

- र
- 18) फूल माला,फूल = 5
 - 19)धूप, अगरबत्ती =1-1पैकेट
 - 20) हवन सामग्री = 1किलो ग्राम
 - 21) जौ = 250 ग्राम
 - 22) काले तिल = 250 ग्राम
 - 23)मिट्टी के बड़ा दीया =1
 - 24) रूई = 1पैकेट
 - 25) पीला कपड़ा =सवा मीटर
 - 26) कपूर = 11 टिक्की
 - 27) दोने = 1 पैकेट
 - 28) आम के पत्ते = 11पत्ते
 - 29) आम की लकड़ियां = 2 किलो ग्राम

नोट : शर्ीफल को चिकना नारियल भी कहते हैं। शक्कर गुड वाली होनी चाहिए। चावल टूटे हुए न हो। पंच मेवा मे बादाम, छुवारे, किशमिश, मखाने, काजू पांच होने चाहिए। पंच मिठाई में बुन्दी के लड्डू, बर्फी, बेसन के लड्डू या बर्फी, मिल्क केक, कलाकन्द, नारियल की बर्फी या कोई भी सुखी मिठाई लेनी है। ऋतु फल मौसम के कोई भी पांच फल लेने हैं। जिसमे केला, आनार लेना जरूरी है। तीन फल कुछ भी मौसम वाले फल ले सकते हैं। सूखा बेल फल बिल्व पत्त्री वाले फल को कहते हैं।

भगवती श्रृंगार में अपने हाथ की चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मेहंदी, हार, माला,कंधी, दर्पण, सैंट, जो आप उपयोग में स्वयं के लिए लाते हैं। भगवती की साड़ी काले, नीले रंग की ना हो। सुनार से चांदी की देवी की मूर्ति में सोने की बिंदी मस्तक में लगवा दे। दूध,दही प्रत्येक दिन चाहिए। पान के पत्ते प्रत्येक दिन चाहिए। दूध,दही प्रत्येक दिन चाहिए। बेल (बिल्व) पत्त्री प्रत्येक दिन चाहिए। कुण्डली लगा के बैठे हुए 9 नाग (सर्प) होने चाहिए। पान के पत्ते प्रत्येक दिन चाहिए।आटे का घी में चूर्ण (कषार, महाभोग) सूखा प्रसाद बनाना है। पूजन कोई भी हो लकड़ी की चौकी जरूर होनी चाहिए। अगर आप स्वयं भी पूजन कर रहे हो या करवा रहे हो।